# हिंदी कहानी को खड़ा करने वाली बंगमहिला का कृतित्व

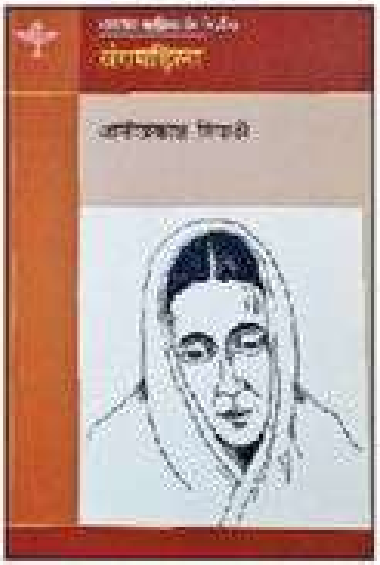


यथार्थ और उपयोगिता के शुद्ध धरातल पर हिंदी कहानी को खड़ा करने वाली प्रतिष्ठित रचनाकार बंगमहिला यानी राजेंद्रबाला घोष ने बंगला भाषी होने के बावजूद हिंदी में विपुल साहित्य सृजन किया। कथाभूमि, भाषा-सौष्ठव, चरित्र चित्रण, संवाद योजना सभी पर चर्चा करती यह किताब बंगमहिला की कहानियों में इतिवृत्तात्मकता और कौतूहल को भी इंगित करती है। परंपरागत भाषागत मान्यताओं को चुनौती देती और भाषा को जीवन की तात्कालिकता से जोड़ती उनकी रचनाएं किस तरह से शब्दचयन, वाक्य गठन और अभिव्यक्ति की तारतम्यता अपनी रचना में लाती थीं, इसे भी यह किताब सोदाहरण सामने लाती है। **-अनामिका अनु**

**साहित्य अकादेमी / बंगमहिला/**
**आनंदप्रकाश त्रिपाठी / 100 रुपये**